* प्रश्नावली प्रविधि (Questionnaire Technique)

यह एक प्रकार की आत्मनिष्ठ प्रविधि है। जिसका प्रयोग व्यक्ति के संबंध में जानकारी प्राप्त करने हेतु किया जाता है।

गुड एण्ड हॉट के अनुसार :— "सामान्यतः प्रश्नावली प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने की योजना की ओर इंगित करता है। व्यक्ति को स्वयं ही प्रश्नावली फार्म को भरना होता है।"

इसके दो रूप होते हैं —

(a) प्रश्नावली
(b) प्रमापीकृत प्रश्नावली

(a) **प्रश्नावली :—** व्यक्ति के संबंध में जानकारी प्राप्त करने हेतु या निर्देशन सेवाओं हेतु प्रश्नावली का प्रयोग किया जाता है।

(b) **प्रमापीकृत प्रश्नावली :—** व्यक्ति के व्यक्तित्व के बारे में जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रमापीकृत प्रश्नावली का प्रयोग किया जाता है।

* प्रश्नावली के प्रकार :— (Types of Questionnaire)

(i) प्रतिबंधित रूप (closed form)
(ii) मुक्त प्रश्नावली (The open end or unrestricted form)
(iii) विद्यार्थी द्वारा भरी जाने वाली प्रश्नावली
(iv) अभिभावकों के लिए प्रश्नावली

(i) प्रतिबंधित रूप :- इस प्रकार की प्रश्नावली में व्यक्ति को मत दें अथवा नहीं पर चिन्ह लगाना होता है।

(ii) मुक्त प्रश्नावली :- इसमें प्रश्नों के आगे रिक्त स्थान होता है जहाँ विद्यार्थी को उत्तर लिखना पड़ता है। जैसे राम ----- राजा थे।

(iii) विद्यार्थी द्वारा भरी जाने वाली प्रश्नावली :- इसमें उच्च स्तर पर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों से सूचनाएँ प्राप्त करने हेतु उनसे ही प्रश्नावली को भरवाया जाता है।

(iv) अभिभावकों के लिए प्रश्नावली :- छोटी कक्षाओं में बालकों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिए उनके अभिभावकों द्वारा प्रश्नावली भरवाई जाती है।

* प्रश्नावली प्रविधि की विशेषताएँ :-

(i) इसे साफ एवं स्पष्ट होनी चाहिए।
(ii) इसमें सरल शब्दों का प्रयोग होना चाहिए।
(iii) वाक्य सीधे होने चाहिए।
(iv) शब्द निर्देशपूर्ण एवं सीधे होने चाहिए।
(v) प्रश्नावली अधिक लम्बी नहीं होनी चाहिए।
(vi) प्रश्नों की संख्या सीमित होनी चाहिए।
(vii) प्रश्नावली को ऐसा होना चाहिए जिसके लिए सारणी बनाना तथा व्यवस्था करना सरल हो।

(3) आकस्मिक निरीक्षण आलेख (Ancedotal Record)

—: इस प्रविधि के द्वारा छात्र के व्यक्तित्व का भी अध्ययन किया जाता है। यह प्रविधि किसी छात्र के जीवन की घटना का जो कि निरीक्षक द्वारा महत्वपूर्ण समझी जाती है, उसका सरल वर्णन है।
जैसे - विद्यार्थियों द्वारा लिखित डायरियाँ, शिक्षकों द्वारा तैयार किये गये घटना वृत्त तथा संचित अभिलेख इत्यादि।
या हम यह भी कह सकते हैं कि शिक्षकों द्वारा छात्रों का प्रतिदिन किया गया व्यवहारों एवं कार्यों का अध्ययन।

रैण्डल ल्यूइस के शब्दों में —: "किसी विद्यार्थी के जीवन संबंधी महत्व घटना की रिपोर्ट ही आकस्मिक निरीक्षण अभिलेख है।"

* आकस्मिक निरीक्षण के प्रकार :-

→ (i) प्रथम प्रकार — विद्यार्थी के व्यवहार का वस्तुनिष्ठ अध्ययन।
→ (ii) द्वितीय प्रकार — इसमें व्यवहार का वर्णन किया जाता है।
→ (iii) तृतीय प्रकार - इसमें व्यवहार का वर्णन तथा उपचार किया जाता है।
→ (iv) चतुर्थ प्रकार - विद्यार्थी के गुण-दोषों का वर्णन एवं भावी जीवन में उपचार हेतु सुझाव।

* आकस्मिक निरीक्षण अभिलेख का लाभ :-

(i) इससे शिक्षक को विवरण लिखने की प्रेरणा प्राप्त होती है।
(2) इससे विद्यार्थी के व्यक्तित्व का समुचित उल्लेख प्राप्त होता है।
(3) छात्र की भिन्न-भिन्न परिस्थितियों में की गई प्रतिक्रियाओं को समझने में भी इससे सहायता प्राप्त होती है।

(5) इन अभिलेखों के आधार पर पाठ्यक्रम निर्माण एवं पाठ्यक्रम में सुधार किया जा सकता है।

(6) इन अभिलेखों द्वारा शोधकों का ध्यान प्रत्येक विद्यार्थी की ओर जाता है।

(6) इन अभिलेखों से परामर्शदाता भी लाभान्वित होता है, वह छात्र की समस्या से पहले से ही परिचित हो जाता है। अतः साक्षात्कार प्रारंभ करना अत्यंत सरल हो जाता है।

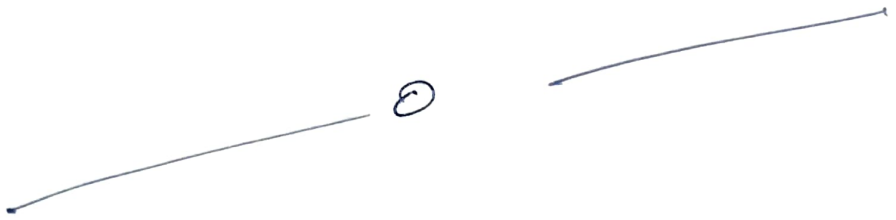

(4) संचयी रिकार्ड (cummulative Record)

→ संचयी अभिलेख शब्द का आरंभ 1930 ई० में हुआ तब जब से परामर्श एवं निर्देशन सेवाओं को बढ़ाया जाने लगा। संचयी अभिलेख छात्र के संबंध में विशेष एवं संपूर्ण अभिलेख है जिसमें उसके संबंध में कुछ आधारभूत सूचनाओं, तथ्यों, घटनाओं, उपलब्धियों तथा विशेषताओं संबंधी सूचनाएँ को संचयी क्रम में अंकित किया जाता है।

विलियमसन के अनुसार → "संचयी अभिलेख किसी छात्र की व्यक्तिगत प्रगति एवं परिलब्धियों के इतिहास से प्राप्त मुख्य तथ्यों तथा सूचनाओं का सारांश प्रस्तुत करता है जिसमें छात्र के विकास की दिशा का बोध होता है।

* ग्रुरे वॉमस के अनुसार :- "संचयी आलेख किसी छात्र के संबंध में लम्बी अवधि से एकत्रित की गई संपूर्ण सूचनाएँ होती हैं।"

* संचयी आलेख की विशेषताएँ :-

(1) यह छात्र की व्यक्तिगत प्रगति एवं परिलब्धियों का इतिहास होता है।
(2) यह छात्र संबंधी संपूर्ण सूचनाओं का सारांश होता है।
(3) इससे छात्र के विकास एवं प्रगति का बोध होता है।
(4) यह एक छात्र से संबंधित सूचनाओं का आकलन होता है।
(5) यह जीवन से संबंधित शारीरिक, मानसिक, सामाजिक चारित्रिक, मनोवैज्ञानिक तथा शैक्षिक गुणों का अभिलेख होता है।

* संचयी अभिलेख के उद्देश्य :-

(1) संचयी आलेख द्वारा छात्रों को शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन में सहायता मिलती है।
(2) इससे छात्रों के कठिनाईयों का निदान किया जाता है।
(3) यह प्रत्येक बालक को व्यक्तिगत रूप से समझने में अध्यापक की सहायता करता है।
(4) यह छात्रों को योग्यतानुसार उपलब्धि प्राप्त हो रही है या नहीं उसका मूल्यांकन करता है।
(5) छात्र के भावात्मक एवं सामाजिक समायोजन का ज्ञान प्रदान कराता है।

* संचयी आलेख का छात्रों के जीवन में मार्गदर्शन हेतु योगदान :-

- (i) छात्र की व्यक्तिगत सूचनाएँ।
- (ii) परिवार संबंधी सूचनाएँ।
- (iii) शारीरिक एवं स्वास्थ्य संबंधी सूचनाएँ।
- (iv) सामान्य तथा विशिष्ट सूचनाएँ।
- (v) शैक्षिक योग्यताएँ एवं उपलब्धियाँ।
- (vi) पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं में भागीदारी हेतु है।
- (vii) व्यक्तिगत विशेषताएँ।
  (अभिरुचि, मूल्य, समायोजन, आत्मविश्वास, ईमानदार)।

* संचयी आलेख का उपयोग :-

- (i) शिक्षा एवं व्यवसाय निर्देशन में छात्र संबंधित सूचनाएँ एकत्र करने हेतु।
- (ii) ऐतिहासिक अध्ययन एवं विवरण में विश्वसनीय तथा वैध सूचनाएँ प्राप्ति हेतु
- (iii) शिक्षकों तथा प्राचार्यों को छात्रों के वर्गीकरण करने तथा छात्र की प्रगति एवं विकास की जानकारी प्राप्त करने हेतु।
- (iv) कक्षा से परिचय प्राप्त करने में सहायक।
- (v) शैक्षिक समस्याओं के निदान हेतु।
- (vi) प्रमाण पत्र लिखने में सहायक।

(5) साक्षात्कार (Interview) :-

साक्षात्कार को एक क्रमबद्ध पद्धति माना जाता है। जिसके माध्यम से व्यक्ति एक-दूसरे के आमने-सामने बैठकर उसकी मनोवृत्ति, भावना, आंतरिक विचार समस्याओं एवं गुणों का अध्ययन कर विश्लेषण करते हैं।

अर्थात साक्षात्कार एक उद्देश्यपूर्ण वार्तालाप जो दो व्यक्तियों के मध्य सम्पन्न होता है।

* साक्षात्कार प्रविधि की विशेषताएँ :-

(i) व्यक्ति का व्यक्ति से संबंध।
(ii) एक-दूसरे से संपर्क स्थापित करने का साधन।
(iii) इसमें संलग्न दो व्यक्तियों में से एक को साक्षात्कार के उद्देश्यों का ज्ञान रहता है।

* साक्षात्कार प्रविधि के प्रकार :-

- (1) निदानात्मक साक्षात्कार।
- (2) तथ्य संकलन साक्षात्कार।
- (3) परामर्श साक्षात्कार।
- (4) अनुसंधान साक्षात्कार।
- (5) नियुक्ति साक्षात्कार।
- (6) उपचारात्मक साक्षात्कार।

* साक्षात्कार हेतु तैयारी :-

(i) साक्षात्कार पक्षपातरहित होना चाहिए।
(ii) साक्षात्कार का समय दोनों व्यक्तियों के अनुकूल होना चाहिए।
(iii) साक्षात्कारकर्ता संचय अवलेख पत्र का प्रयोग कर सकता है।
(iv) साक्षात्कार हेतु गोपनीयतापूर्ण होनी चाहिए।

* साक्षात्कार के लाभ :-

(i) इसका प्रयोग अत्यंत ही सरल है।
(ii) साक्षात्कार को विभिन्न परिस्थितियों एवं दशाओं में प्रयुक्त करने हेतु लचीला बनाया जा सकता है।
(iii) यह व्यक्तियों की समस्याओं के कारणों को खोज करने में साक्षात्कार, साक्षात्कारकर्ता की सहायता करता है।
(iv) यह प्राथमिक विद्यार्थियों में अंतर्दृष्टि का विकास करने में भी सहायक होती है।
(v) साक्षात्कार में साक्षात्कार देने वाले व्यक्ति को अपनी समस्याओं को प्रकट करने हेतु उत्तम अवसर प्राप्त होता है।

---

(6) एकल अध्ययन प्रविधि (case study Technique)

:- सामान्यतः एकल अध्ययन का अर्थ है - गहराई तक अध्ययन करना अर्थात किसी तथ्य का विस्तृत अध्ययन करना।

अतः एकल (case) का अर्थ किसी व्यक्ति विशेष से नहीं बल्कि 'एकल का अर्थ एक संस्था, राष्ट्र, धर्म, या एक व्यक्ति या समूह भी हो सकता है। एकल का अर्थ किसी भी इकाई से होता है — जैसे,

- एक निकट अध्ययन (closed study of a case)
- गहन अध्ययन (Deep study)
- संचयी अध्ययन (cummulative study)
- उपचारात्मक अध्ययन (clinical study)

एकल अध्ययन का अधिकांश प्रयोग पुलिस विभाग में विभिन्न घटनाओं के पूछताछ एवं जाँच के लिए किया जाता है।

पी० वी० यंग के अनुसार –: "किसी व्यक्ति अथवा समूह का गहन ही जीवन का ऐतिहासिक अध्ययन कहलाता है।" (अर्थात एकल अध्ययन विधि एक ऐसी विधि है जिसके द्वारा सामाजिक इकाई के जीवनी का अन्वेषण तथा विश्लेषण किया जा सकता है।) सामाजिक इकाई के रूप में किसी एक व्यक्ति, एक परिवार, एक संस्था, एक समुदाय, घटना, नीति, संगठन आदि को लिया जा सकता है।

* बिसोंडोरसन एवं बिसोडोरसन के अनुसार :

"केस अध्ययन विधि किसी वैयक्तिक केस के गहन विश्लेषण के माध्यम से सामाजिक घटना के अध्ययन की विधि है।"
(केस कोई एक व्यक्ति, एक समूह, एक घटना, एक प्रक्रिया, एक समुदाय, एक समाज या सामाजिक जिंदगी की कोई अन्य इकाई हो सकता है) यह बहुत सारे विशिष्ट विवरण के गहन विश्लेषण करने का अवसर प्रदान करता है, जिसे अन्य विधियों में प्रायः उपेक्षा की जाती है।

* एकल अध्ययन प्रविधि की विशेषताएँ –:

(1) केस अध्ययन एक ऐसा उपागम है जो सामाजिक इकाई को एक संपूर्णता की दृष्टिकोण से देखता है।

(ii) साक्षात्कार एवं ...

(2) इसमें सामाजिक इकाई कोई एक व्यक्ति, एक परिवार, सामाजिक समूह, समुदाय एवं सामाजिक संस्थान होता है।

(3) इसमें सामाजिक इकाई का गहनता से अध्ययन किया जाता है।

(4) यह एक प्रकार का विवरणात्मक शोध है।

(5) इसमें आँकड़ों को एकत्रित कर विश्लेषण किया जाता है।

* केस अध्ययन या एकल अध्ययन के उद्देश्य :-

(i) उपचारात्मक उद्देश्य (बीमारी से संबंधित)

(ii) निदानात्मक उद्देश्य (कमजोर विद्यार्थियों को विद्यालय से संबंधित परिस्थितियों में उपचारात्मक निर्देश देना)

(iii) सामाजिक - मनोवैज्ञानिक समस्याओं से संबंधित तथ्यों का अध्ययन करना

(iv) अन्य सूचनाओं को एकत्रित करना।

* Case Study के प्रकार :-

(1) सामाजिक या समुदाय एकल अध्ययन।

(2) कारण का तुलनात्मक अध्ययन।

(3) क्रियात्मक विश्लेषण।

(4) पाठ्यवस्तु का विश्लेषण।

(5) अध्ययनों की प्रवृत्ति।

जैसे किसी भी व्यक्ति का एकल (case study) अध्ययन करना हो तो निम्न स्रोत होंगे :—

- (i) परिवार का इतिहास
- (ii) व्यक्ति का व्यक्तिगत साक्षात्कार
- (iii) व्यक्तिगत आदतों का अध्ययन
- (iv) उसके साथियों व मित्रों का साक्षात्कार
- (v) व्यक्ति के विद्यालय आलेख द्वारा (इसमें छात्र की उपस्थिति, उपलब्धि, शिक्षण-स्वरूप अध्यापक का दृष्टिकोण इत्यादि रहता है।)
- (vi) व्यक्तिगत योगदान।
- (vii) भावनात्मक समायोजन
- (viii) जीवन-वृत्त (Profile)
- (ix) इकाई का इतिहास

* एकल अध्ययन का निर्देशन में उपयोग :—

- कानून
- बाल-अपराधी के लिए
- उपचार के लिए
- मनोविज्ञान के क्षेत्र में
- शिक्षा-संबंधी
- परामर्श तथा निर्देशन में
- सामाजिक विज्ञान
- अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र या अन्य विषय
- व्यापारिक प्रशासन में

इत्यादि

○ ———